# उच्च शिक्षा के लिए पहुंचा 61 नाईजीरियन विद्यार्थियों का दल

चित्तौड़ के मेवाड़ विश्वविद्यालय में आए नाइजीरिया दल के अतिथि।

**चित्तौड़गढ़.** मेवाड़ विश्वविद्यालय पिछले 10 वर्षों से न केवल भारत के 28 राज्यों बल्कि विगत कुछ वर्षों से 25 से अधिक अन्य देशों के हजारों युवाओं को गुणवत्तापूर्ण उच्च शिक्षा उपलब्ध कराने में सफल रहने के साथ निरन्तर प्रयासरत है। इसी क्रम में विश्वविद्यालय के अन्तराष्ट्रीय प्रकोष्ठ की ओर से नाईजीरियाई सरकार के साथ मिलकर वहां के 61 आकांक्षी, मेधावी युवाओं का विश्वविद्यालय में अध्ययन के लिए चयन किया गया। यह सभी युवा नाईजीरियन छात्रवृत्ति बोर्ड के चेयरमेन एवं नाईजीरियन छात्रवृत्ति बोर्ड के निदेशक के नेतृत्व में दिल्ली एयरपोर्ट पहुंचे।

वहां से उन्हें समस्त औपचारिक प्रक्रियाएं पूर्ण कर विशेष बसों से विश्वविद्यालय लाया गया। विश्वविद्यालय में पहले से मौजूद राजकीय चिकित्सा विभाग की टीम के द्वारा सभी विद्यार्थियों के कोविड टेस्ट किए गए। कोविड-19 के सभी मानदण्डों की पालना करते हुऐ विश्वविद्यालय में एन्ट्री दी गई। इन सभी विदेशी विद्यार्थियों एवं अधिकारियों के स्वागत सम्मान में विश्वविद्यालय में सांस्कृतिक समारोह हुआ। कार्यक्रम की शुरूआत करते हुए विवि के इन्टरनेशनल रिलेशन्स के डायरेक्टर समीर खान ने सभी अतिथियों का परिचय कराया। इसके साथ ही विवि के प्रो. वाईस चान्सलर आनंदवर्धन शुक्ला ने स्वागत व्यक्तव्य देते हुए विश्वविद्यालय की स्थापना, इन्फ्रास्ट्रक्चर एवं कोर्सेज के अनुमोदन (अप्रूवल्स) आदि के बारे में बताया।

कार्यक्रम में विवि के डायरेक्टर हरीश गुरनानी ने बताया कि विश्वविद्यालय की ओर से विद्यार्थियों को सैद्धान्तिक शिक्षा के साथ-साथ प्रायोगिक ज्ञान पर भी पूरा जोर दिया जाता है।

इसके लिए विभिन्न संस्थानों, जैसे सेन्ट्रल इलेक्ट्रोनिक्स रिसर्च इन्स्टीट्यूट, पिलानी, कृष्णा हॉस्पिटल भीलवाड़ा एवं जर्मन टूल रूम, अहमदाबाद आदि से अनुबन्ध किए गए हैं। जहां विद्यार्थियों को प्रायोगिक प्रशिक्षण के लिए भेजा जाता है। इससे उनको अत्याधुनिक मशीनों, नई तकनीकी एवं नवाचारों से अवगत कराया जाकर उनके कौशल को विकसित किया जाता है। कार्यक्रम के दौरान योग स्कूल ऑफ एक्सीलेन्स के डायरेक्टर स्वामी महेश योगी ने भारतीय चित्रकला, योग ज्ञानामृतम तथा योग दर्पण नामक पुस्तकें तथा एक विशेष माला विवि को भेंट की।

विदेशी अतिथियों को विश्वविद्यालय के चित्रकला विभाग के विद्यार्थियों की ओर से बनाई फड़ पेंन्टिग्स भेंट की। इसी क्रम में सांस्कृतिक कार्यक्रम के साथ कुछ नाईजीरियन बच्चों ने भी अपने वक्तव्य प्रस्तुत किए।

कार्यक्रम के अतिथि एवं नाईजीरियन दल के अधिकारियों ने उद्बोधन में कहा कि दो-तीन साल पहले जब विवि के साथ गठबन्धन किया तो हमें कुछ संशय था कि यह यूनिवर्सिटी बच्चों को शिक्षा के साथ मूलभूत सुविधाएं एवं अनुकूल वातावरण कैसे दे पाएगी। यहां भाषा सम्बन्धी तथा अन्य कई मामलों में परेशानी होगी, लेकिन इन दो-तीन वर्षों के सफर के बाद गर्व से ये कह से कह सकते हैं कि विवि ने बच्चों को न सिर्फ शिक्षित किया बल्कि वांछित वातावरण एवं संस्कार भी प्रदान किए। कार्यक्रम के अध्यक्ष एवं विवि चेयरमेन अशोक कुमार गदिया ने विदेशी विद्यार्थियों का आह्वान करते हुए कहा कि कि यहां शिक्षा अध्ययन करने के लिए आऐ है लेकिन केवल शिक्षा तक ही सीमित न रहे, यहां कि संस्कृति को भी समझें एवं योगा तथा हिन्दी भाषा में भी उत्साह दिखाएं। साथ ही उन्होंने विदेशी बच्चों से यह भी कहा कि मेवाड़ विवि नाईजीरिया में स्थापित भारतीय कम्पनियों से भी सम्पर्क साध रहा है।

इससे नाईजीरियन विद्यार्थियों को शिक्षा पूर्ण करने के पश्चात वहां पर आसानी से रोजगार से जोड़ा जा सके। विदेशी मेहमानों को विश्वविद्यालय में स्थित महात्मा गांधी संग्रहालय एवं विभिन्न प्रयोगशालाओं का मुआयना कराया गया। 20 एवं 21 दिसम्बर को विदेशी मेहमानों को विश्वविद्यालय से अनुबन्धित विभिन्न संस्थानों यथा एमपी बिरला हॉस्पीटल चित्तौड़गढ़, कृष्णा हॉस्पीटल भीलवाड़ा एवं इन्डो जर्मन टूल रूम अहमदाबाद आदि संस्थानों में अवलोकन कराया जाएगा। विश्वविद्यालय के ओएसडी हुण्डल विधानी, चेयरपर्सन के सलाहकार सर्वोत्रम दीक्षित, डिप्टी रजिस्ट्रार अजय कुमार शर्मा, एकेडमिक डीन डीके शर्मा, इन्जिनियरिंग डीन तनवीर अहमद, इन्टरनेशनल सेल के डायरेक्टर हरीश चन्द्र सुथार, डीन फ इन आर्ट्स चित्रलेखा सिंह आदि उपस्थित थे। संचालन अंग्रेजी विभाग की विभागाध्यक्ष वंदना चुण्डावत ने किया।

## SUDOKU 5498 5497

| | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 2 | 6 | 8 | 9 | 3 | | 7 | 1 | |
| 5 | 7 | | | | 2 | 8 | | 9 |
| | | | 1 | 7 | | | | 2 |
| | 4 | 2 | | | | | | 3 |
| | 1 | | | | | | 7 | |
| 3 | | | | | | 6 | 2 | |
| 9 | | | | 5 | 1 | | | |
| 1 | | 4 | 7 | | | | 9 | 5 |
| | 3 | 5 | | 9 | 4 | 1 | 8 | 6 |

| | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 8 | 5 | 3 | 2 | 9 | 6 | 7 | 4 | 1 |
| 1 | 6 | 4 | 3 | 5 | 7 | 2 | 9 | 8 |
| 7 | 2 | 9 | 1 | 4 | 8 | 6 | 3 | 5 |
| 5 | 3 | 6 | 7 | 8 | 2 | 9 | 1 | 4 |
| 2 | 1 | 8 | 9 | 3 | 4 | 5 | 7 | 6 |
| 4 | 9 | 7 | 6 | 1 | 5 | 8 | 2 | 3 |
| 6 | 4 | 2 | 8 | 7 | 1 | 3 | 5 | 9 |
| 3 | 7 | 5 | 4 | 6 | 9 | 1 | 8 | 2 |
| 9 | 8 | 1 | 5 | 2 | 3 | 4 | 6 | 7 |


राजस्थान पत्रिका क्लासीफाइड Classified

कार्यालयकर्मी

## उच्च शिक्षा के लिये मेवाड़ विश्वविद्यालय पहुंचा नाईजीरियन विद्यार्थियों का दल

# विद्यार्थी शिक्षा तक ही सीमित नहीं रहें, यहां की संस्कृति समझें, योगा व हिन्दी भाषा में भी उत्साह दिखाएं: गदिया

गंगरार, 19 दिसम्बर (जसं.)। मेवाड़ विश्वविद्यालय पिछले 10 वर्षों से न केवल भारत के 28 राज्यों बल्कि विगत कुछ वर्षों से 25 से अधिक अन्य देशों के हजारों युवाओं को गुणवत्तापूर्ण उच्च शिक्षा उपलब्ध कराने में सफल रहने के साथ ही निरन्तर प्रयासरत है।

इसी क्रम में विश्वविद्यालय के अन्तर्राष्ट्रीय प्रकोष्ठ द्वारा नाईजीरियाई सरकार के साथ मिलकर वहां के 61 आकांक्षी, मेधावी युवाओं का विश्वविद्यालय में अध्ययन हेतु चयन किया गया। ये सभी युवा नाईजीरियन छात्रवृत्ति बोर्ड के चेयरमैन मालिक युनुस बेलेल एवं नाईजीरियन छात्रवृत्ति बोर्ड के निदेशक अदामू अब्दु जुमो के नेतृत्व में दिल्ली एयरपोर्ट पहुंचे, जहां से उन्हें समस्त औपचारिक प्रक्रियाएं पूर्ण कर विशेष बसों द्वारा विश्वविद्यालय लाया गया। विश्वविद्यालय में पहले से मौजूद राजकीय चिकित्सा विभाग की टीम के द्वारा सभी विद्यार्थियों के कोविड टेस्ट किये गये एवं कोविड-19 के सभी मानदण्डों की पालना करते हुये विश्वविद्यालय में एन्ट्री की गई।

स्वागत कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए विवि चेयरमैन डॉ. अशोक कुमार गदिया ने अपने उद्बोधन में वि.वि. के विदेशी विद्यार्थियों का आह्वान करते हुए कहा कि आप यहां शिक्षा अध्ययन करने के लिये आये है लेकिन केवल शिक्षा तक ही सीमित नही रहे, यहां कि संस्कृति को भी समझें, योगा तथा हिन्दी भाषा में भी उत्साह दिखाऐं। साथ ही उन्होंने विदेशी बच्चों से यह भी कहा कि मेवाड़ वि.वि. नाईजीरिया में स्थापित भारतीय कम्पनियों से भी सम्पर्क साध रहा है जिससे नाईजीरियन विद्यार्थियों को शिक्षा पूर्ण करने के पश्चात् वहां पर आसानी से रोजगार से जोड़ा जा सके।

इन सभी विदेशी विद्यार्थियों एवं अधिकारियों के स्वागत सम्मान में विश्वविद्यालय में सांस्कृतिक समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरूआत में करते हुऐ वि.वि. के इन्टरनेशनल रिलेशन्स के डायरेक्टर समीर खान ने सभी अतिथियों का परिचय कराया। इसके साथ ही विवि के प्रो. वाईस चान्सलर आनन्द वर्धन शुक्ला ने स्वागत वक्तव्य देते हुऐ विश्वविद्यालय की स्थापना, इन्फ्रास्ट्रक्चर एवं कोर्सेज के अनुमोदन (अप्रुवल्स) आदि के बारे में बताया।

कार्यक्रम में विवि के डायरेक्टर हरिश गुरनानी ने अपने सम्बोधन में बताया कि विश्वविद्यालय के द्वारा विद्यार्थियों को सैद्धान्तिक शिक्षा के साथ-साथ प्रायोगिक ज्ञान पर भी पूरा जोर दिया जाता है, इसके लिये विभिन्न संस्थानों जैसे सेन्ट्रल इलेक्ट्रॉनिक्स रिसर्च इन्स्टीट्यूट पिलानी, कृष्णा हॉस्पीटल भीलवाड़ा एवं इन्डो जर्मन टूल रूम, कन्स्ट्रक्शन इन्डस्ट्री डवलपमेंट कौंसिल दिल्ली, एनएएमी हैदराबाद आदि से अनुबन्ध किये गये है जहां विद्यार्थियों को प्रायोगिक प्रशिक्षण हेतु भेजा जाता है, जिससे उनको अत्याधुनिक मशीनों, नई तकनीकों एवं नवाचारों से अवगत कराया जाकर उनके कौशल को विकसित किया जाता है जिसके फलस्वरूप विद्यार्थी स्वयं को किसी भी कार्य को करने में कुशल एवं योग्य महसूस करता है।

कार्यक्रम के दौरान योग स्कूल ऑफ एक्सीलेन्स के डायरेक्टर स्वामी महेश योगी ने अपनी भारतीय चित्रकला, योग ज्ञानामृतम तथा योग दर्पण नामक पुस्तकें तथा एक विशेष माला विवि को भेंट की। इसी क्रम में विदेशी अतिथियों को विश्वविद्यालय के चित्रकला विभाग के विद्यार्थियों द्वारा बनाई 'फड़' पेन्टिग्स भेंट की। सांस्कृतिक कार्यक्रम के साथ कुछ नाईजीरियन बच्चों ने भी अपने वक्तव्य प्रस्तुत किये।

कार्यक्रम के अतिथि एवं नाईजीरियन दल के अधिकारियों ने अपने उद्बोधन में कहा कि दो-तीन साल पहले हमने जब विवि के साथ गठबंधन किया तो हमें कुछ संशय था कि ये युनिवर्सिटी हमारे बच्चों को शिक्षा के साथ मूलभूत सुविधाऐं एवं अनुकूल वातावरण कैसे दे पायेगी, यहां भाषा सम्बन्धी तथा अन्य कई मामलों में हमें परेशानी होगी लेकिन आज हम इन दो-तीन वर्षों के सफर के बाद गर्व से ये कह से कह सकते है कि विवि ने हमारे बच्चों को न सिर्फ शिक्षित किया बल्कि हमारे बच्चों वांछित वातावरण एवं संस्कार भी प्रदान किये। विदेशी मेहमानों 20 व 21 दिसम्बर को विश्वविद्यालय से अनुबन्धित विभिन्न संस्थानों यथा एम.पी. बिरला हॉस्पीटल चित्तौड़गढ़, कृष्णा हॉस्पीटल भीलवाड़ा एवं इन्डो जर्मन टूल रूम अहमदाबाद आदि संस्थानों में अवलोकन कराया जायेगा।

कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के ओएसडी हुन्दल सिंघानी, चेयरपर्सन के सलाहकार डॉ. सर्वोत्तम दीक्षित, डिप्टी रजिस्ट्रार डॉ. अजय कुमार शर्मा, एकेडमिक डीन डॉ.के. शर्मा, इंजिनियरिंग डीन डॉ. तनवीर अहमद, इन्टरनेशनल सेल के डायरेक्टर डॉ. हरीश चन्द्र सुथार, डीन फाईन आर्ट्स डॉ. चित्रलेखा सिंह आदि उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन अंग्रेजी विभाग की विभागाध्यक्ष श्रीमती चन्दना चुण्डावत ने किया।

Jannayak 20-12-2020

# मेवाड़ विश्वविद्यालय पहुंचा 61 नाइजीरियन विद्यार्थियों का दल

गंगरार। मेवाड़ विश्वविद्यालय के अन्तराष्ट्रीय प्रकोष्ठ द्वारा नाईजीरियाई सरकार के साथ मिलकर वहां के 61 आकांक्षी, मेधावी युवाओं का विश्वविद्यालय में अध्ययन हेतु चयन किया गया। ये सभी युवा नाईजीरियन छात्रवृत्ति बोर्ड के चेयरमेन एवं नाईजीरियन छात्रवृत्ति बोर्ड के निदेशक के नेतृत्व में दिल्ली एयरपोर्ट पहुंचे, जहां से उन्हे समस्त औपचारिक प्रक्रियाएं पूर्ण कर विशेष बसों द्वारा विश्वविद्यालय लाया गया। विश्वविद्यालय में पहले से मौजूद राजकीय चिकित्सा विभाग की टीम द्वारा सभी विद्यार्थियों के कोविड टेस्ट किये गये एवं कोविड-19 के सभी मानदण्डों की पालना करते हुऐ विश्वविद्यालय में ऐन्ट्री की गई। इन सभी विदेशी विद्यार्थियों एवं अधिकारियों के स्वागत सम्मान में विश्वविद्यालय में सांस्कृतिक समारोह का आयोजन किया गया।

गंगरार। मेवाड़ विश्वविद्यालय मे कार्यक्रम मे उपस्थित अतिथिगण एवं दीप प्रज्जलित करते हुए।

कार्यक्रम की शुरूआत में करते हुऐ वि.वि. के इन्टरनेशनल रिलेशन्स के डायरेक्टर समीर खान ने सभी अतिथियों का परिचय कराया। इसके साथ ही वि.वि. के प्रो. वाईस चान्सलर आनन्द वर्धन शुक्ला, वि.वि. के डायरेक्टर हरिश गुरनानी, महेश योगी ने भी विचार व्यक्त किए। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के ओ.एस.डी. हुण्डल विधानी, चेयरपर्सन के सलाहकार डॉ. सर्वोत्तम दीक्षित, डिप्टी रजिस्ट्रार डॉ. अजय कुमार शर्मा, ऐकेडमिक डीन डी.के. शर्मा, ईन्जिनियरिंग डीन डॉ. तनवीर अहमद, इन्टरनेशनल सेल के डायरेक्टर डॉ. हरीश चन्द्र सुथार, डीन फाईन आर्ट्स डॉ. चित्रलेखा सिंह आदि उपस्थित थे। संचालन वन्दना चुण्डावत ने किया।

Dainik Navajyoti 20-12-2020

# नाईजीरिया से आए 61 छात्र व अधिकारी

गंगरार. मेवाड़ विश्वविद्यालय के अंतरराष्ट्रीय प्रकोष्ठ की ओर से नाइजीरिया सरकार से एमओयू किया है। इसके तहत वहां से 61 मेधावी युवाओं का दल उच्च अध्ययन के लिए यहां आए। राजकीय चिकित्सा विभाग की टीम ने इनका कोविड-19 टेस्ट किया। इन विद्यार्थियों एवं अधिकारियों के स्वागत में विश्वविद्यालय में सांस्कृतिक समारोह हुआ। कार्यक्रम की शुरुआत में विवि के इंटरनेशनल रिलेशन्स के डायरेक्टर समीर खान ने अतिथियों का परिचय कराया। वाइस चांसलर आनंदवर्धन शुक्ला ने स्वागत व्यक्तव्य दिया। निदेशक हरीश गुरनानी ने कहा कि विश्वविद्यालय में विद्यार्थियों को सैद्धांतिक शिक्षा के साथ-साथ प्रायोगिक ज्ञान पर भी जोर दिया जाता है। कई राष्ट्रीय-अंतरराष्ट्रीय संस्थानों से एमओयू हुए हैं जहां विद्यार्थियों को प्रशिक्षण के लिए भेजा जाता है। योग स्कूल ऑफ एक्सीलेंस के निदेशक स्वामी महेश योगी ने भारतीय चित्रकला, योग ज्ञानामृतम तथा योग दर्पण नामक पुस्तकें तथा एक विशेष माला यूनिवर्सिटी को भेंट की। कुछ नाइजीरियन छात्रों ने भी वक्तव्य प्रस्तुत किए। कार्यक्रम अध्यक्ष डॉ. अशोककुमार गदिया ने विदेशी विद्यार्थियों का आह्वान किया कि आप यहां केवल डिग्री लेने तक सीमित न रहें। भारत की संस्कृति को भी समझें। योग तथा हिंदी भाषा सीखने के लिए उत्साह दिखाएं। कार्यक्रम के दौरान विदेशी मेहमानों को विश्वविद्यालय में स्थित महात्मा गांधी संग्रहालय एवं विभिन्न प्रयोगशालाओं का मुआयना कराया। सभी अतिथि विश्वविद्यालय के इन्फ्रास्ट्रक्चर को देखकर अभिभूत हुए। संचालन अंग्रेजी विभागाध्यक्ष वंदना चुंडावत ने किया।

Dainik Bhaskar 20-12-2020